एक नजर में

पहले वनडे में भारत ने अफगानिस्तान को हराया

धर्मशाला. बारिश से प्रभावित पहले वनडे में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है. धर्मशाला में खेले गए इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले खेलने के बाद 194 रन बनाए थे. जवाब में टीम इंडिया ने 13 गेंद में पहले टारगेट हासिल कर लिया. भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल 66 गेंद में 84 और केएल राहुल 19 गेंद में 39 रनों पर नाबाद लौटे. रोहित शर्मा 16 रन बनाकर रन आउट हुए. वहीं ईशान किशन ने 22 गेंद में 34 रनों की पारी खेली. डेब्यू मैच में गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट चटकाए. बता दें कि बारिश की वजह से यह मैच 25-25 ओवर का खेला गया. भारत के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने इतिहास रच दिया. गुरबाज ने बारिश से प्रभावित 25 ओवर के इस मैच में सिर्फ 48 गेंद में शतक जड़ा. इसके साथ ही उन्होंने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए. वनडे क्रिकेट में यह गुरबाज का 9वां शतक रहा. गुरबाज ने 51 गेंद में 102 रनों की पारी खेली. इस दौरान उनके बल्ले से 8 चौके और 8 छक्के निकले. इसके साथ गुरबाज अफगानिस्तान के लिए वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. गुरबाज ने मोहम्मद शहजाद (बनाम स्कॉटलैंड, साल 2010) और करीम सादिक (बनाम नीदरलैंड, साल 2012) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 72-72 गेंदों में शतक लगाया था. वहीं नवरोज मंगल (बनाम स्कॉटलैंड, साल 2013) और मोहम्मद शहजाद (बनाम आयरलैंड, साल 2019) इस लिस्ट में संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं. गुरबाज अफगानिस्तान के लिए वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं. उनके बाद इब्राहिम जादरान और मोहम्मद शहजाद इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 6-6 शतकीय पारियां खेली हैं.

गुरबाज के शतक पर गिल और केएल राहुल ने फेरा पानी

सिंधु और सात्विक-चिराग करेंगे नेतृत्व

नयी दिल्ली. दो बार की एशियाई खेलों की मेडलिस्ट पीवी सिंधु और 2022 एशियाई खेलों में पुरुषों के डबल्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2026 तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों में बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे. एशियाई खेल दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित मल्टी-स्पोर्ट प्रतियोगिताओं में से एक हैं और एशियाई खेलों में सबसे बड़े सम्मानों में से एक माने जाते हैं, जहाँ महाद्वीप के बेहतरीन एथलीट देश का गौरव बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं. बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बाई) की चयन समिति ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हालिया प्रदर्शन और 26 मई, 2026 तक की बीडब्ल्यू ?फ रैंकिंग की समीक्षा करने के बाद टीम को अंतिम रूप दिया. भारत के टॉप-रैंक वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन के नेतृत्व में, टीम में अनुभवी एच. एस. प्रणय और किदांबी श्रीकांत भी शामिल हैं - ये सभी पिछले संस्करण में भारत की ऐतिहासिक पुरुष टीम सिल्वर-मेडल जीत का हिस्सा थे. पुरुष टीम में उस मुख्य टीम के ज़्यादातर खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था.

ब्राज़ील को मोरक्को से रहना होगा सतर्क

न्यूयॉर्क. ग्रुप सी का एक ज़बरदस्त मुक़ाबला होने वाला है, जिसमें पांच बार की चैंपियन ब्राज़ील का सामना अफ़्रीकी दिग्गज मोरक्को से होगा. यह मुक़ाबला न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज के अहम मैचों में से एक है. यह मैच और भी दिलचस्प है क्योंकि यह हेड कोच कार्लो एंसेलोटी के नेतृत्व में ब्राज़ील के नए खिताब अभियान की शुरुआत है. टीम में अनुभवी स्टार और आक्रामक खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिससे उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं. उनके रास्ते में मोरक्को है, जो हाल के वर्ल्ड कप में एक बड़ी कहानी बनकर उभरा है. कतर 2022 में ऐतिहासिक रूप से चौथे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने वैश्विक मंच पर अफ़्रीकी फ़ुटबॉल की छवि बदल दी है. ब्राज़ील इस टूर्नामेंट में विश्व मंच पर अपना दबदबा फिर से कायम करने के इरादे से उतर रहा है. उनकी संभावित आक्रामक तिकड़ी में राफिन्हा, मैथियस कुन्हा और विनीसियस जूनियर शामिल हो सकते हैं. मिडफ़ील्ड की कमान कैसिमिरो और ब्रूनो गुइमारेस के हाथों में रहने की उम्मीद है, जो कंट्रोल और फ़िज़िकैलिटी का संतुलन बनाएंगे, जबकि लुकास पाक्वेटा आगे के क्षेत्रों में क्रिएटिविटी जोड़ेंगे. डिफ़ेंस में, मार्क्विनोस और गेब्रियल मैगलहेस के नेतृत्व वाली डिफ़ेंसिव लाइन के पीछे एलिसन गोल की रक्षा करेंगे. मोरक्को के लिए, हाल के वर्षों का आत्मविश्वास एक अहम कारक बना हुआ है. कप्तान अशरफ़ हकीमी के नेतृत्व में, 'एटलस लायंस' के संगठन, ट्रांज़िशन में तेज़ी और मिडफ़ील्ड में तकनीकी गुणवत्ता पर निर्भर रहने की उम्मीद है. हकीम ज़ियेच, सोफ़ियान बौफ़ल और अज़ेदीन ओनाही जैसे प्रमुख खिलाड़ी ब्राज़ील के स्ट्रक्चर को तोड़ने में अहम भूमिका निभा सकते हैं.

बालोगुन के दो गोल से अमेरिका जीता

अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से रौंदा

लॉस एंजिल्स (अमेरिका) 13 जून लॉस एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से हरा दिया। यह जीत अमेरिकी फुटबॉल इतिहास में खास बन गई, क्योंकि पहली बार टीम ने किसी विश्व कप मैच में चार गोल दागने का कारनामा किया.

अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दो गोल किए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. उनके अलावा डेमियन बोबाडिला और जियोवानी रेना ने भी एक-एक गोल कर स्कोरलाइन को मजबूत किया. वहीं पैराग्वे के लिए एकमात्र गोल मौरिसियो ने किया, जिसने टीम को थोड़ी राहत जरूर दी, लेकिन हार टाल नहीं सका.

मैच की शुरुआत में पैराग्वे ने आक्रामक रुख अपनाया और एंटोनियो सनाब्रिया के एक प्रयास को अमेरिकी गोलकीपर मैट फ्रीज़ ने रोककर शुरुआती खतरे को टाल दिया. हालांकि इसके बाद धीरे-धीरे मैच पर अमेरिका का नियंत्रण बढ़ता गया. क्रिश्चियन पुलिसिक और वेस्टन मैककेनी की साझेदारी ने मिडफील्ड में दबदबा बनाया और पहला बड़ा मोमेंट तब आया जब डेमियन बोबाडिला के आत्मघाती गोल ने अमेरिका को बढ़त दिला दी.

इसके बाद अमेरिका ने अपनी आक्रामकता और बढ़ा दी. फोलारिन बालोगुन ने पहले ऑफसाइड के कारण एक गोल गंवाया, लेकिन कुछ ही देर बाद उन्होंने पुलिसिक के पास को शानदार तरीके से गोल में बदलकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया. उनकी तेज़ी और फिनिशिंग ने पैराग्वे की डिफेंस को पूरी तरह परेशान कर दिया.

दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की और मौरिसियो को सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारकर अटैक को मजबूत किया. इस बदलाव का असर भी दिखा जब उन्होंने एक गोल कर टीम को मैच में वापस लाने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की डिफेंस ने आगे कोई मौका नहीं दिया.

आखिरी मिनटों में अमेरिका ने एक बार फिर अपना दबदबा दिखाया. फ्रीमन और वेआ की शानदार मूवमेंट के बाद गेंद जियोवानी रेना तक पहुंची, जिन्होंने 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से बेहतरीन फिनिश करते हुए मैच का चौथा गोल दागा. यह गोल अमेरिका की जीत पर मुहर साबित हुआ. कुल मिलाकर यह मुकाबला अमेरिका के लिए ऐतिहासिक रहा, जहां टीम ने न सिर्फ जीत दर्ज की बल्कि आक्रामक फुटबॉल का बेहतरीन नमूना भी पेश किया.

> फीफा वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान कनाडा ने अपने अभियान की शुरुआत ड्रॉ के साथ की, लेकिन इसके बावजूद उसने इतिहास रच दिया. ग्रुप बी के इस मुकाबले में कनाडा और बोस्निया एंड हर्जेगोविना के बीच खेला गया मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ. यह मुकाबला इसलिए खास रहा क्योंकि पहली बार कनाडा की धरती पर फीफा वर्ल्ड कप का कोई मैच खेला गया. मैच में शुरुआत से ही बोस्निया एंड हर्जेगोविना ने तेज़ी दिखाई और 19वें मिनट में जोवो लूकिच ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी. इस शुरुआती झटके के बाद कनाडा ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रामक खेल दिखाया. पूरे मैच में कनाडा का बॉल पजेशन 61 प्रतिशत रहा, जिससे साफ था कि टीम का दबदबा ज्यादा रहा. पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद कनाडा ने हार नहीं मानी और दूसरे हाफ में लगातार हमले जारी रखे. टीम ने कुल 13 बार बॉक्स के अंदर जाकर गोल करने की कोशिश की, जबकि बोस्निया केवल 8 बार ही ऐसा कर पाई.

इंग्लैंड टीम का जीत से वर्ल्ड कप आगाज़

इंग्लैंड की रिकॉर्ड तोड़ जीत, श्रीलंका को 87 रनों से हराया

नयी दिल्ली, 13 जून. महिला टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेले गए मुकाबले से हुई, और यह मैच पूरी तरह रिकॉर्ड्स के नाम रहा. बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल एक विकेट के नुकसान पर 219 रन बना डाले, जो महिला टी20 विश्व कप इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है.

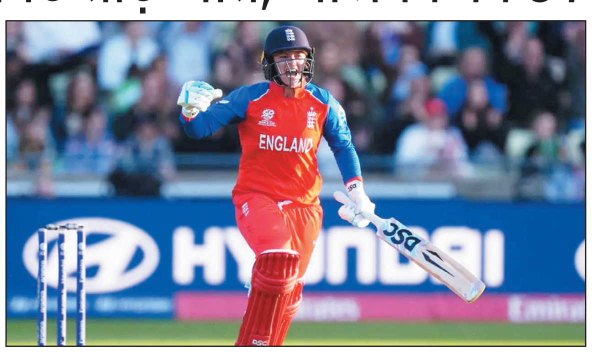

इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 132 रन पर सिमट गई और इंग्लैंड ने 87 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की. इंग्लैंड की जीत की सबसे बड़ी वजह रही डेनियल व्याट-हॉज की तूफानी बल्लेबाजी. उन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 105 रनों की शानदार पारी खेली.

उनकी बल्लेबाजी में 13 चौके और एक छक्का शामिल रहा. शुरुआत में एमी जोन्स ने उनका बेहतरीन साथ दिया और दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 13.4 ओवर में 135 रनों की साझेदारी कर दी. जोन्स ने 38 गेंदों में 53 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होने के बाद भी व्याट-हॉज की आक्रामकता कम नहीं हुई.

> इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने भी अंत के ओवरों में तेजी से रन बटोरे. उन्होंने मात्र 22 गेंदों में नाबाद 46 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल रहा. उनकी तेज पारी ने इंग्लैंड के स्कोर को 220 के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. श्रीलंका की गेंदबाजी इस मैच में पूरी तरह दबाव में नजर आई और वे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहीं. बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम शुरुआत से ही संघर्ष करती दिखी.

विश्व कप : पहले मैच से नेमार बाहर

न्यू जर्सी (अमेरिका), 13 जून ब्राज़ील के फ़ॉरवर्ड खिलाड़ी नेमार अभी भी अपनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, और हेड कोच कार्लो एंसेलोटी का कहना है कि वे कम से कम हैती के मैच तक उपलब्ध नहीं होंगे.

कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि नेमार शनिवार को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ़ फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे. रियो 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट पिंडली की चोट के कारण बाहर हैं और अभी तक टीम के साथ पूरी तरह से ट्रेनिंग में शामिल नहीं हो पाए हैं. एंसेलोटी ने कहा कि नेमार के अगले हफ़्ते ग्रुप में फिर से शामिल होने की उम्मीद है, हालांकि इस समय-सीमा के कारण 20 जून को हैती के खिलाफ़ ब्राज़ील के दूसरे ग्रुप मैच में उनके खेलने पर संदेह बना हुआ है. एंसेलोटी ने मीडिया से कहा, 'नेमार जल्द से जल्द ठीक होने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं.उम्मीद है कि वे ठीक हो जाएंगे और अगले हफ़्ते ग्रुप में फिर से शामिल हो जाएंगे. जब हम नेमार को बुलाते हैं, तो हम उन्हें न केवल उनकी तकनीकी काबिलियत के लिए बुलाते हैं, जिस पर कोई शक नहीं है, बल्कि उनके अनुभव और इस ग्रुप के युवा खिलाड़ियों के लिए वे जो मिसाल कायम कर सकते हैं.

सेल्वा ने जीता ट्रिपल जंप का खिताब

ओरेगन (अमेरिका) 13 जून भारत के सेल्वा प्रभु ने शनिवार को ओरेगन के यूजीन में हेवर्ड फील्ड पर आयोजित एनसीएए डिवीजन वन आउटडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों का ट्रिपल जंप खिताब जीता.

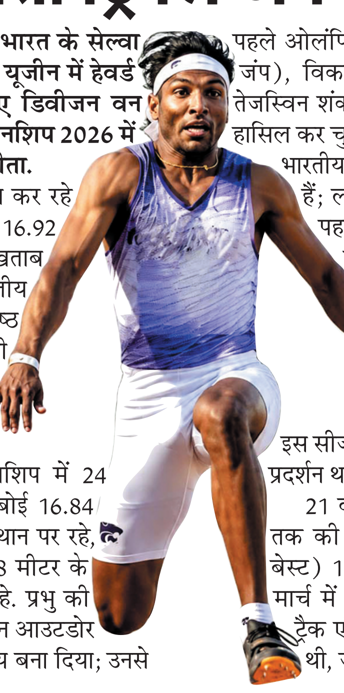

कैनसस स्टेट का प्रतिनिधित्व कर रहे सेल्वा प्रभु ने अपने दूसरे प्रयास में 16.92 मीटर की छलांग लगाकर यह खिताब अपने नाम किया. यह भारतीय एथलीट प्रभु का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. 16.20 मीटर की शुरुआती छलांग के बाद, उन्होंने दूसरे राउंड में चैंपियनशिप जीतने वाला स्कोर हासिल किया. एनसीएए डिवीजन वन चैंपियनशिप में 24 खिलाड़ियों के बीच केविन केम्बोई 16.84 मीटर की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि ब्रैंडन ग्रीन जूनियर 16.78 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे. प्रभु की जीत ने उन्हें एनसीएस डिवीजन वन आउटडोर खिताब जीतने वाला चौथा भारतीय बना दिया; उनसे पहले ओलंपियन मोहिंदर सिंह गिल (ट्रिपल जंप), विकास गौड़ा (डिस्कस थ्रो) और तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं. कुल मिलाकर, वह पांचवें भारतीय एनसीएए डिवीजन वन चैंपियन हैं; लोकेश सत्यनाथन (लॉन्ग जंप) पहले ही इनडोर खिताब जीत चुके हैं. पुरुषों की ट्रिपल जंप का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 17.37 मीटर है, जो प्रवीण चित्रवेल के नाम है. एनसीएए डिवीजन वन चैंपियनशिप में सेल्वा प्रभु का विजयी प्रदर्शन इस सीज़न का उनका दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन था.

21 वर्षीय भारतीय एथलीट की अब तक की सबसे अच्छी छलांग (पर्सनल बेस्ट) 17.05 मीटर की थी, जो उन्होंने मार्च में एनसीएए डिवीज़न वन इनडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में लगाई थी, जहां वे दूसरे स्थान पर रहे थे.

लक्ष्य : हैती के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत

बोस्टन, 13 जून स्कॉटलैंड के कप्तान एंड्रयू रॉबर्टसन ने कहा कि हैती के खिलाफ शुरुआती जीत बहुत ज़रूरी है, क्योंकि इस ग्रुप में मोरक्को और पांच बार की चैंपियन ब्राज़ील जैसी टीमें भी शामिल हैं.

लिवरपूल के लिए खेलने वाले रॉबर्टसन ने शुक्रवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह वर्ल्ड कप हम सभी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है. मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि मैंने ट्रॉफियां जीती हैं और दुनिया के सबसे बड़े क्लबों में से एक के लिए खेला हूं, लेकिन वर्ल्ड कप में अपने देश के लिए खेलना बिल्कुल अलग अनुभव है. मुझे बहुत गर्व है कि खिलाड़ियों के इसी ग्रुप ने हमें यहां तक पहुंचाया है. अब हम मैच के ठीक पहले के समय में हैं और फैंस में उत्साह बढ़ रहा है, लेकिन टीम में भी निश्चित रूप से उत्साह है.' हेड कोच स्टीव क्लार्क ने फॉक्सबोरो में होने वाले शनिवार के मैच के महत्व पर ज़ोर दिया. मोरक्को और ब्राज़ील की मज़बूती को देखते हुए तीन अंक कितने महत्वपूर्ण होंगे, इस सवाल पर क्लार्क ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है. हम विरोधी टीम का सम्मान करते हैं. हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम ठीक से तैयार हों - और हम हैं भी. हमने ज़रूरी गति और तीव्रता के साथ तैयारी की है, और फिर देखेंगे कि नतीजा क्या होता है.' रॉबर्टसन ने चेतावनी दी कि हैती को, जिसे कुछ लोग ग्रुप में 'अनजान' टीम मानते हैं.

प्रदर्शन ▶ 10 वर्षीय आशीर्वाद ने 87 गेंदों में 103 रन ठोककर क्रिकेट जगत में मचाई हलचल

सूर्यवंशी परिवार का नया सितारा आशीर्वाद चमका

नई दिल्ली ,13 जून बिहार क्रिकेट से एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां युवा बल्लेबाज़ी प्रतिभा के रूप में उभरते सूर्यवंशी परिवार के छोटे सदस्य आशीर्वाद सूर्यवंशी ने अपने पहले ही बड़े प्रदर्शन में शतक जड़कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

सिर्फ 10 साल की उम्र में खेली गई यह पारी आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के लिए नई उम्मीद के रूप में देखी जा रही है. बिहार के समस्तीपुर में खेले गए एक लोकल प्रैक्टिस मैच के दौरान आशीर्वाद सूर्यवंशी ने विस्फोटक बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन करते हुए 87 गेंदों में 103 रन बनाए. उनकी इस पारी में 20 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. मैदान पर उनका आत्मविश्वास और शॉट चयन देखकर दर्शक भी हैरान रह गए.

इतनी कम उम्र में इस तरह की मैच्योर बल्लेबाज़ी दुर्लभ है. आशीर्वाद ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज़ अपनाया और गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा. खास बात यह रही कि उन्होंने सिर्फ ताकत पर नहीं बल्कि तकनीक और टाइमिंग पर भी ध्यान दिया, जो उनकी प्रतिभा को और खास बनाता है.

परिवार में क्रिकेट का जुनून

सूर्यवंशी परिवार पहले से ही क्रिकेट में अपनी पहचान बना चुका है. आशीर्वाद के बड़े भाई वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन करते हुए सुर्खियां बटोरी थीं और अब छोटे भाई ने भी उसी राह पर कदम बढ़ा दिए हैं. परिवार के बड़े भाई उज्ज्वल सूर्यवंशी ने सोशल मीडिया पर आशीर्वाद की इस पारी की तस्वीर साझा करते हुए खुशी जाहिर की. उन्होंने स्कोरकार्ड पोस्ट करते हुए हार्ट इमोजी के साथ छोटे भाई को शुभकामनाएं दीं.

> **वैभव सूर्यवंशी की सफलता का असर**
> सिर्फ आशीर्वाद ही नहीं, बल्कि उनके बड़े भाई वैभव सूर्यवंशी पहले ही क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बना चुके हैं. आईपीएल 2026 में वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी. इसके बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में भी जगह मिली और वह अब अंतरराष्ट्रीय दौरे की तैयारी कर रहे हैं. वैभव की सफलता ने पूरे परिवार और क्षेत्र में क्रिकेट को लेकर एक नई ऊर्जा पैदा की है, जिसका असर अब छोटे भाई आशीर्वाद के खेल में भी साफ दिखाई दे रहा है.

अकाने से हारीं पीवी सिंधु

सिडनी 13 जून भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु शनिवार को ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची से हार का सामना करना पड़ा. इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया.

आज यहां खेले गये मुकाबले में महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 10वें नंबर पर मौजूद पीवी सिंधु, वर्ल्ड नंबर 3 यामागुची से 43 मिनट में 22-20, 21-12 से हारकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गईं. 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का यह दूसरा सेमीफ़ाइनल था. वह जनवरी में मलेशिया ओपन सुपर 1000 के टॉप चार में भी पहुंची थीं, लेकिन उस बार चीन की वांग झियी से हार गई थीं. सिंधु ने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था.